पाठ 24

पहाड़ों की सैर

बच्चों आपने आस–पास अथवा किसी फिल्म या चित्र में पहाड़ों को देखा होगा।

चित्र 24.1 पहाड़

सोचिए और बताइए

- क्या आपने कभी किसी पहाड़ पर चढ़ने की कोशिश की है?
- पहाड़ पर चढ़ने और सड़क पर चलने में क्या अंतर है ?

संसार की सबसे ऊँची पर्वत चोटी माउण्ट एवरेस्ट है। यह नेपाल और तिब्बत की सीमा पर है।

सर जार्ज एवरेस्ट ने पाया कि यह दुनिया की सबसे ऊँची चोटी है। उन्हीं के नाम पर इस चोटी का नाम माउण्ट एवरेस्ट रखा गया।

चर्चा कीजिए

- आपने अपने आस–पास के किसी पहाड़ी पर बने मंदिर पर चढ़ने का प्रयास किया होगा। उस समय आपके साथ कौन–कौन थे। उनके द्वारा आपको क्या–क्या निर्देश दिए गए। इस आधार पर अपने अनुभव बताइए।

सोचिए और लिखिए

- पहाड़ों पर चढ़ते हुए साँस क्यों फूलती है ?
- आपने कभी किसी पहाड़ की यात्रा की है। यदि हाँ, तो चर्चा कीजिए और फिर अपने अनुभवों को अपने शब्दों में लिखिए।

पहाड़ों पर चढ़ना अत्यंत मुश्किल व जोखिम भरा है। माउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ने के दौरान कई लोगों ने अपनी जान गँवा दी। इसकी खड़ी चढ़ाई, तेज ठंड़, बर्फीली हवाओं और ऊँचाई पर वायुदाब कम होने से साँस लेने में कठिनाई के कारण एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना बहुत जोखिम भरा है।

दो साहसी व्यक्ति एडमण्ड हिलेरी (न्यूजीलैण्ड) और तेनजिंग शेरपा (नेपाल) दुनिया की इस सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट पर पहुँचने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्हें वहाँ पहुंचने में दो महीने लगे। पर्वतारोही को साँस लेने के लिए ऑक्सीजन के सिलेण्डर ले जाना पड़ता है। कभी–कभी भूस्खलन हो जाता है। अतः अनुशासन में रहना, जोखिम उठाने की क्षमता, धैर्य, सहनशीलता आदि के गुण पर्वतारोही में होना अत्यावश्यक है।

सोचिए और बताइए

- पर्वतारोहियों को किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ?
- इन लोगों के भोजन की व्यवस्था कैसे होती होगी ?

नीचे दिए पर्वतारोहण के कुछ उपकरणों को देखिए।

चित्र 24.2 पर्वतारोहण में काम आने वाले उपकरण

पता कीजिए और लिखिए

- पहाड़ पर चढ़ते समय आँखों पर काला चश्मा क्यों लगाया जाता है?
- पहाड़ पर चढ़ते समय नुकीली छड़ी साथ में क्यों ले जाते हैं?
- पर्वतारोही बर्फ के पहाड़ों पर चढ़ते समय हाथ में क्या पहनते हैं? क्यों ?
- पर्वतारोही के जूतों में नुकीली कीलों का क्या उपयोग है ?

बर्फीले पहाड़ों पर चढ़ते समय पर्वतारोही अपने साथ विशेष प्रकार के उपकरण ले जाते हैं। जिनकी सहायता से बर्फीले पहाड़ों पर चढ़ने में कठिनाई कम होती है। इनके जूतों में लगे नुकीले कीले, बर्फ पर फिसलने से इनका बचाव करते हैं।

शिक्षक निर्देश– बालकों से पहाड़ों पर चढ़ने में काम आने वाले उपकरणों के चित्र बनवाएँ।

पहाड़ों पर चढ़ने वाली साहसी महिलाओं की कहानी

प्रेमलता अग्रवाल :

चित्र 24.3 पर्वतारोही– प्रेमलता अग्रवाल

पर्वतारोही प्रेमलता अग्रवाल का जन्म जुगतलाई, जमशेदपुर (झारखंड) में हुआ था। उन्होंने 48 साल की उम्र में माउण्ट एवरेस्ट के शिखर को छूने का गौरव हासिल किया। वहीं 50 वर्ष की उम्र में उत्तरी अमेरिका के अलास्का के माउण्ट मैकेनले को फतह करके उन्होंने नई उपलब्धि हासिल की। इस पर्वत पर चढ़ने वाली वे पहली भारतीय महिला हैं। उन्होनें 35 वर्ष की उम्र में पहली बार पर्वतारोहण से नाता जोड़ा। बछेन्द्रीपाल के मार्गदर्शन व प्रोत्साहन से ये नेपाल की एशियन ट्रेकिंग कम्पनी की देख–रेख में शुरू हुए एवरेस्ट अभियान की अंतर्राष्ट्रीय दल की हिस्सा बनी।

संतोष यादव

चित्र 24.4 पर्वतारोही– संतोष यादव

संतोष यादव का जन्म हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गांव जोनियावास में हुआ था। उन्होंने महारानी कॉलेज जयपुर से शिक्षा प्राप्त की। 20 वर्ष की आयु में वह माउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली कम उम्र की प्रथम महिला है। इसके अलावा वे कांगसुग की तरफ से माउण्ट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाली विश्व की पहली महिला थी। उन्होंने एवरेस्ट पर चढ़ाई करने में सफलता प्राप्त की।

पता कीजिए और बताइए

- पर्वतारोहण अभियान में जुड़ने वाली सबसे अधिक उम्र की महिला कौन थी?
- सबसे कम उम्र में एवरेस्ट पर फतह करने वाली महिला कौन थी ?

साहस और जुनून का दूसरा नाम – बछेन्द्रीपाल।

चित्र 24.5 बछेन्द्रीपाल

बछेन्द्रीपाल को हमेशा लगता था कि वो लड़की होकर लड़कों से पीछे नहीं रह सकती। बछेन्द्री का जन्म उत्तराखंड के नाकुरी गाँव में हुआ। बचपन से ही बछेन्द्री साहसिक इरादों वाली लड़की थी। स्कूल पिकनिक के दौरान बछेन्द्री खेल–खेल में पहाड़ पर चढ़ गई। नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने के दौरान उन्होंने गंगोत्री पर्वत और रूडूगेरा पर्वत के आरोहण अभियानों में भाग लिया। उनके इसी साहस और उत्साह के कारण इन्हें एवरेस्ट – अभियान दल में चुना गया।

एवरेस्ट चढ़ाई के दौरान भारी भूस्खलन हुआ, जमीन खिसक गई थी। बछेन्द्री के सिर के पीछे चोट लगी थी। उनके सभी साथी भी घायल हो गए थे। बाकी सदस्य लौट गए। बछेन्द्री ने हिम्मत नहीं हारी। उनके इसी साहस और दृढ़ निश्चय ने एवरेस्ट पर कदम रखने वाली प्रथम महिला बना दिया।

पता कीजिए और लिखिए

- भूस्खलन क्या होता है ?
- आपने या आपके आस–पास किसी ने कोई साहसिक कार्य किया हो तो उसे लिखते हुए अपनी कक्षा में सुनाइए।

कई पर्वतारोही दल एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास करते हुए प्लास्टिक की वस्तुएँ अपने साथ ले जाते हैं और उस सामान को वहीं छोड़ आते हैं। इस प्रकार पहाड़ों पर कचरा बढ़ता जाता है। ऐसे ही एवरेस्ट पर कचरा बढ़ रहा है। वहाँ के पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है।

सोचिए और बताइए

- पहाड़ों पर कचरा बढ़ने से क्या–क्या नुकसान हैं ?
- पर्वतारोही अपने साथ क्या–क्या सामान ले जाते होंगे?
- पर्वतारोही को किन–किन संकटों और खतरों को झेलना पड़ता होगा?

चर्चा कीजिए

- माना आपको पर्वतारोहण के लिए चुन लिया गया है, आप उसके लिए क्या–क्या तैयारी करेंगे। जैसे– सामग्री, अभ्यास आदि।
- आप किसी पर्यटन स्थल पर गए हो तो वहाँ पर फैले कचरे के बारे में अपने अनुभवों लिखिए? कचरे को रोकने के लिए आप क्या सुझाव देंगे ?

हमने सीखा

- पहाडों पर जाने से पूर्व ऑक्सीजन सिलेण्डर, आवश्यक उपकरणों आदि को ले जाना चाहिए।
- भूस्खलन के समय हमें सावधानी से चढ़ना चाहिए।
- पर्वतारोही में अनुशासन में रहना, जोखिम उठाने की क्षमता, धैर्य, सहनशीलता आदि के गुण आवश्यक हैं।

जाना–समझा, अब बताइए

- पर्वतारोहण में किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?
- पर्वतारोही में क्या–क्या गुण होने चाहिए?
- विश्व की कुछ पर्वत चोटियों के नाम लिखिए।
- पर्वतारोही को ऑक्सीजन सिलेण्डर की आवश्यकता क्यों होती है?

सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता हमारा कर्तव्य है।